दादा भगवान परिवार का

मार्च २०२५

अक्रम एक्सप्रेस

संपादकीय

बालमित्रों,

एक जगह कुछ भूखे-प्यासे लोग गोल घेरा बनाकर बैठे हुए थे। उनके बीच तरह-तरह के स्वादिष्ट व्यंजन से भरे हुए पतीले रखे हुए थे। सभी को खाना खाने के लिए लंबे-लंबे चम्मच दिए गए थे। चम्मच पतीलों तक तो पहुँच रहे थे लेकिन उन्हें घुमाकर मुँह तक नहीं ले जाया जा सकता था। एक बच्चे ने यह दृश्य देखा। उसने वहाँ उपस्थित एक बुजुर्ग सज्जन से पूछा, 'ये लोग भूखे क्यों हैं?' बुजुर्ग सज्जन ने कहा, 'क्योंकि वे सिर्फ़ अपने बारे में ही सोच रहे हैं इसलिए खाना उन तक नहीं पहुँच रहा है। तुम्हें क्या लगता है, उन्हें क्या करना चाहिए?' बच्चे ने तुरंत जवाब दिया, 'यदि वे एक-दूसरे को खिलाते हैं, तो कोई भूखा नहीं रहेगा!'

बच्चे के पास ऐसा क्या था कि जिससे उसने दूसरों के हित के बारे में सोचा? हमारे भीतर वह कौन है, जो हमें सिर्फ़ खुद के सुख के पीछे दौड़ाता है? चलो, इस अंक में ज्ञानियों द्वारा दी गई समझ के आधार से बुद्धि और हार्ट के फंक्शन्स को जानते हैं। मज़ेदार कहानियों के माध्यम से बुद्धि और हार्ट को और अधिक जानें और हार्टिली बनने की राह पर से एक स्टेप आगे बढ़ें। साथ ही, यह भी पढ़ेंगे कि आलू-चिली की जर्नी में आगे क्या हुआ।

-डिम्पल मेहता

अक्रम एक्सप्रेस

March, 2025
Year 12, Issue : 12
Conti. Issue No.: 144
Published Monthly

संपर्क सूत्र
बालविज्ञान विभाग
त्रिमंदिर संकुल, सीमंधर सिटी,
अहमदाबाद - कलोल हाइवे,
मु.पो. - अडालज,
जिला. गांधीनगर - ३८२४२१, गुजरात
फोनः ९३२८६६११६६/७७
Email: akramexpress@dadabhagwan.org
Website: kids.dadabhagwan.org

Editor: Dimple Mehta
Published by Mahavideh Foundation
Simandhar City, Adalaj - 382421.
Taluka & Dist.- Gandhinagar.

© 2025, Dada Bhagwan Foundation
All Rights Reserved

Price Per Copy: NIL

ज्ञानी कहते हैं...

दूसरों की गलती नहीं निकालते हो तो हृदय विकसित होता है और दूसरों की गलती निकालते हो तो बुद्धि विकसित होती है।

जो हृदय वाला है, उसे सभी अपने लगते हैं। वह कहता है, 'चलो, प्रेम से रहें, एक-दूसरे को दुःख नहीं दें, एक-दूसरे की गलती नहीं निकालें। हमें अलग नहीं होना है, भेद नहीं डालना है।' और बुद्धि वाला है, वह कम्पैरिज़न करता है, भेद डालता है, अलग दिखाता है, 'मैं अलग और वह अलग' कहता है। वह क्या कहता है, 'देखो, उसने ऐसा गलत काम किया न? वह हर बार ऐसा ही करेगा, समझता ही नहीं है, सीधा करना पड़ेगा।'

हृदयवाला कहेगा, 'सभी को सुख मिले।' और

बुद्धिवाला कहेगा, 'मुझे सुख मिलना चाहिए, दूसरों का जो होना हो वो हो।'

हृदयवाला अपने हित का जितना ख्याल रखता है उतना ही दूसरों के हित का भी ख्याल रखता है। बुद्धिवाला खुद के पक्षवालों का ध्यान रखता है और दूसरों का ध्यान नहीं रखता।

बुद्धिवाला हमेशा फायदा-नुकसान देखता है। उसे हमेशा यही फिकर रहती है कि खुद का अच्छा दिखे, इम्प्रेशन बन जाए, नाम हो जाए। हार्टिली व्यक्ति इस बारे में सोचता ही नहीं है कि खुद का अच्छा दिख रहा है या बुरा। वह तो सबके भले के लिए ही सोचता रहता है और इसके लिए वह दिल से काम करता रहता है।

जो भेद डाले
वह बुद्धि।

एकता रखे वह
हार्ट।

यह तो नई ही बात है!

एक निवाला मैं खाता हूँ,
तो एक निवाला सामने
वाले को देता हूँ। समानता
रखे वह हार्टिली होता है।

जिस तरह दूध में मिसरी समा जाती है उसी तरह हार्टिली व्यक्ति सब जगह समा जाता है।

यह तो नई ही बात है!

बुद्धिवाला कंकड़ की तरह खड़खड़ाता है, अलग नज़र आता है।

फिर लोग उसे उठाकर बाहर रख देते हैं।

प्रॉब्लम के समय...

'खबरदार अगर ऐसी हालत में तुमने घर के अंदर पैर रखा तो।' माया मौसी ने चिढ़कर ऊर्जा से कहा।

ऊर्जा मिट्टी से लथपथ दरवाजे के पास खड़ी थी और माया मौसी का घर इतना साफ था कि उसमें धूल का एक कण भी ढूँढ़ना कठिन था। उसी समय एक टॉवेल लेकर ऊर्जा की नानी दौड़ती हुई बाहर आई।

'बेटा, कपड़े इतने गंदे कैसे हो गए?' नानी ने प्यार से ऊर्जा को साफ किया और बाथरूम में ले गईं।

'सॉरी मौसी, सॉरी नानी' ऊर्जा ने कहा, 'वह तो है न...' वह आगे बोलने जा रही थी लेकिन माया मौसी बिना कुछ सुने अपने रूम में चली गईं।

नन्ही ऊर्जा कुछ दिनों के लिए वैकेशन में अपनी मौसी के घर रहने आई थी। मौसी एक फैशन डिज़ाइनर थीं और ज्यादातर समय अपने काम में बिज़ी रहती थीं। लेकिन ऊर्जा को अपनी नानी के साथ समय बिताना बहुत पसंद था।

'आपको पता है नानी, क्या हुआ? ब्राउनी है न, वह कीचड़ में फँस गया था। वह बाहर निकल ही नहीं पा रहा था। बाहर निकलने के लिए उसने खुद बहुत ट्राइ की लेकिन उससे हो नहीं पाया। फिर मुझे लगा कि मुझे उसे बाहर निकालना ही पड़ेगा। निक्की ने मुझसे कहा भी

कि मेरे कपड़े गंदे हो जाएँगे। लेकिन मैं क्या करूँ, मुझसे ब्राउनी की ऐसी हालत देखी नहीं गई। बेचारा बहुत सैड दिखाई दे रहा था। मुझे लगा कि ब्राउनी को उसकी मम्मी के पास जाना होगा और उसकी मम्मी भी उसका इंतजार कर रही होंगी।' उस घटना को फिर से याद करके ऊर्जा की आँखें नम हो गईं।

नानी हँस पड़ीं, 'ओह मेरी ऊर्जा, एक कुत्ते को कीचड़ से बाहर निकालने के लिए तुमने अपना इतना सुन्दर फ्रॉक गंदा कर लिया!'

'लेकिन नानी, ब्राउनी का बाहर आना फ्रॉक से भी अधिक इम्पॉर्टन्ट था न।'

ऊर्जा की मासूम आँखें नानी को छू गईं।

'हाँ, हाँ... तुमने बहुत अच्छा किया। चलो अब, जल्दी से मास्टर शेफ बनने के लिए तैयार हो जाओ।' नानी ने कहा।

'आज हम क्या बना रहे हैं, नानी?' ऊर्जा ने उत्सुकता से पूछा।

'तुम्हारी फेवरिट, पाव भाजी!' नानी ने कहा।

'वाउ नानी, मैं जल्दी से अपना एप्रन पहन कर तैयार हो जाती हूँ!' ऊर्जा को किचन में नानी की हेल्प करना बहुत अच्छा लगता था। वह नानी से नई-नई रेसिपी भी सीखती थी।

ऊर्जा किचन की ओर भागी और तभी माया मौसी अपने रूम से बाहर निकलीं।

'मम्मी, मैं काम से बाहर जा रही हूँ। खाने के समय तक वापस आ जाऊँगी।' माया ने कहा।

'बेटा, ऊर्जा से नाराज़ मत होना। वह बहुत दिलवाली है। बस, एक कुत्ते की हेल्प कर रही थी।' नानी ने माया को समझाने की कोशिश की।

'इसे दिल नहीं, मूर्खता कहते हैं। पहले ही मिसिस मेहता का कुत्ता सिरदर्द बना हुआ है और अब यह लड़की गली के कुत्तों से दोस्ती कर रही है! क्या करना इन सबका!' कहकर माया घर से बाहर निकल गई।

नानी और ऊर्जा ने किचन में काम शुरू किया। ऊर्जा सब्ज़ियाँ धोकर काटने में हेल्प कर रही थी।

'नानी, इन टमाटरों से गंदी स्मेल आ रही है। इनका क्या करूँ?'

'ओह, हाँ।' नानी ने टमाटरों को सूँघते हुए कहा। 'फेंकने पड़ेंगे लेकिन अब हमें कम पड़ जाएँगे। क्या करेंगे? फिलहाल मार्केट भी नहीं जा सकते।'

थोड़ी देर सोचने के बाद ऊर्जा ने कहा, 'नानी, मेहता आन्टी के गार्डन में कितने सारे टमाटर उगे हुए हैं। उनसे लेकर आऊँ?'

'नहीं ऊर्जा। मेहता आन्टी के साथ माया मौसी का झगड़ा हो गया है। उनके घर मत जाना।' नानी ने कहा।

'लेकिन झगड़ा माया मौसी का हुआ है, मेरा तो नहीं हुआ न! मेहता आन्टी मुझे देखकर हमेशा अच्छी स्माइल देती हैं। मैं तो जा सकती हूँ न। लेकिन नानी, उनका झगड़ा क्यों हुआ?' ऊर्जा को जानने की इच्छा हुई।

'अरे, एक कारण हो तो तुम्हें बताऊँ। लेकिन यहाँ तो छोटी-छोटी बातों में झगड़े हो जाते हैं। पिछले सप्ताह उनके घर पर पार्टी थी। देर रात तक जोर से म्यूज़िक बजता रहा और माया को नींद नहीं आई इसलिए दूसरे दिन काम पर जाने में देर हो गई। और बस, वो बिगड़ गई माया आन्टी पर। उनके कुत्ते प्लूटो से भी माया को एलर्जी है। अरे, गार्डन उनका गंदा होता है पर परेशान माया होती रहती है।' नानी की आवाज़ में निराशा थी। ऊर्जा ध्यान से नानी की बातें सुन रही थी और साथ ही मन में कोई योजना बना रही थी।

'अरे, मैं भी कहाँ अभी झगड़े की बातें लेकर बैठ गई। हम तो अपना प्रॉब्लम सॉल्व करें।' नानी ने कचरापेटी में टमाटर डालते हुए कहा।

'नानी, हमारा प्रॉब्लम सॉल्व हो जाएगा और माया मौसी का भी! फ्रिज में गुलाब जामुन रखे हैं न, वे लेकर मैं मेहता आन्टी के घर जा रही हूँ।' ऐसा कहकर ऊर्जा ने गुलाब जामुन एक डिब्बे में पैक किए।

नानी को यह डर तो लगा कि माया गुस्सा हो जाएगी, लेकिन ऊर्जा अच्छा काम ही करने जा रही है न, यह सोचकर नानी ने उसे रोका नहीं।

डोरबेल ऊँचाई पर थी इसलिए ऊर्जा ने दरवाजे की कुंडी खटखटाई। आन्टी ने दरवाजा खोला।

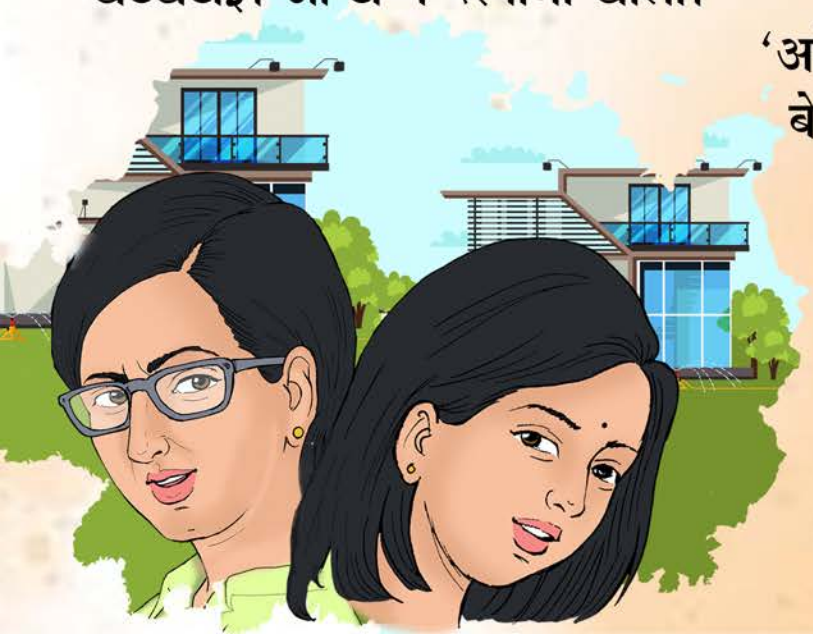

'अरे, ऊर्जा। तुम? आओ बेटा।' मेहता आन्टी ने प्यार से ऊर्जा को अंदर बुलाया।

'आन्टी, मैं और नानी पाव भाजी बना रहे थे। लेकिन टमाटर

कम पड़ गए। क्या आपके पास एक्स्ट्रा टमाटर हैं?' ऊर्जा ने धीरे से पूछा।

'अरे, बहुत सारे हैं। तुम बैठो, मैं लेकर आती हूँ।' आन्टी खुश होकर ऊर्जा के लिए गार्डन से टमाटर लेकर आईं। ऊर्जा ने आन्टी को डिब्बा देते हुए कहा, 'आन्टी, माया मौसी ने गुलाब जामुन बनाए हैं। आपके लिए लाई हूँ।' 'माया ने मेरे लिए गुलाब जामुन भेजे?!' आन्टी बहुत खुश हो गईं। आन्टी का हँसता हुआ चेहरा देखकर ऊर्जा को बहुत अच्छा लगा। भले ही मेहता आन्टी को गलतफ़हमी हुई कि गुलाब जामुन माया मौसी ने भिजवाए हैं, ऊर्जा को तो दोनों के बीच पड़ी हुई दरार को भरना था न।

जाते-जाते ऊर्जा ने कहा, 'थैंक यू आन्टी! आप भी घर पर आना।'

पाव भाजी बहुत टेस्टी बनी और सभी ने पेट भरकर खाई। जब माया को पता चला कि ऊर्जा, मेहता आन्टी के घर से टमाटर लाई थी तो वह थोड़ा नाराज़ हुई। पर ज्यादा कुछ नहीं बोली, क्योंकि बोलने का कुछ फायदा नहीं था और वैसे भी उसे जल्दी सोने जाना था। दूसरे दिन ऑफिस जल्दी जाना था।

रात के दो बजे। अचानक एक कुत्ता जोर-जोर से भौंकने लगा।

माया की नींद खुल गई, 'क्या परेशानी है! इन कुत्तों को तो कहीं बंद कर देना चाहिए!' माया ने कान पर तकिया लगा कर सोने का प्रयास किया।

ऊर्जा और नानी की नींद भी खुल गई। ऊर्जा ने खिड़की के बाहर देखा और तुरंत ही

माया मौसी के रूम में गई। 'मौसी, मौसी, उठो। बाहर ब्राउनी भौंक रहा है।'

'ऊर्जा, तुम आधी रात को मुझे यह बताने आई हो?' माया ने गुस्से से कहा।

'नहीं मौसी, हमारे घर के बाहर सिक्युरिटी गार्ड के साथ मेहता अंकल किसी आदमी को पकड़ के खड़े हैं। लगता है कि कोई चोर है।' ऊर्जा हाँफते हुए बोल रही थी।

माया एकदम से चौंककर उठी। एक शाल ओढ़कर वह बाहर की तरफ दौड़ी। पीछे-पीछे नानी और ऊर्जा भी गए। आवाज़ सुनकर मेहता आन्टी भी बाहर आ गईं।

बाहर आकर पता चला कि एक चोर माया के घर में घुसने की कोशिश कर रहा था। ब्राउनी की आवाज़ से मिस्टर मेहता जाग गए और चोर को पकड़ लिया। थोड़ी देर में सिक्युरिटी गार्ड आकर चोर को ले गए।

'थैंक यू, मिस्टर मेहता। थैंक यू सो मच! आपने हमारे घर में चोरी होने से बचा ली।' माया ने दिल से मिस्टर मेहता का आभार माना।

'अरे, थैंक यू तो इस कुत्ते को कहना चाहिए! इसने आवाज़ करके हमें जगाया।' मिस्टर मेहता ने

हँसते हुए कहा।

'अंकल, इसका नाम ब्राउनी है!' ऊर्जा ने नीचे बैठकर ब्राउनी को प्यार से सहलाया।

माया की नज़र अपने फोन पर गई। रात के तीन बज रहे थे।

'सॉरी, हमारे कारण आज आपकी नींद खराब हुई। कल आपको काम पर जाना होगा।' माया की आवाज़ में अफसोस था।

'इसमें क्या हुआ, माया। प्रॉब्लम के समय हम एक-दूसरे के साथ खड़े ही रहेंगे न!' मेहता आन्टी ने माया के हाथ पर हाथ रखते हुए कहा।

यह सुनकर माया को बहुत पछतावा हुआ। उसने कहाँ कभी दूसरों के प्रॉब्लम को अपना प्रॉब्लम समझा था? जब मेहता आन्टी के कारण उसकी नींद खराब हुई थी तब उसने कितना झगड़ा किया था। दूसरों के कारण खुद को कोई प्रॉब्लम न हो, वह इसी तरह अपनी सेफसाइड करती है।

'यू आर राइट।' माया ने अपना हाथ मिसिस मेहता के हाथ पर रखते हुए धीमी आवाज़ में कहा।

नानी ने माया की ओर प्यार से देखा। माया ने नीचे झुककर ऊर्जा के सिर पर हाथ फेरते हुए पूछा, 'ऊर्जा, हम ब्राउनी को घर ले जाकर पार्टी दें?'

हार्टिली की ओर एक स्टेप

जब से क्रिश और रिष को 'हार्टिली' के बारे में पता चला है तब से उन्होंने हर दिन कुछ खास चीज़ें करना शुरू कर दिया है। जैसे कि,

खेलने के लिए बाहर जाते समय क्रिश को रोज़ मुरझाए हुए पौधे दिखते हैं। उसे खेलने जाने की इतनी जल्दी रहती है कि वह कभी भी पौधों को पानी देने में अपना टाइम खर्च नहीं करता है। लेकिन अब वह रोज़ रुककर पौधों को पानी देता है।

रोज़ शाम को बेंच पर अकेले बैठे हुए दादाजी के पास जाकर रिष उनके साथ बातें करता है।

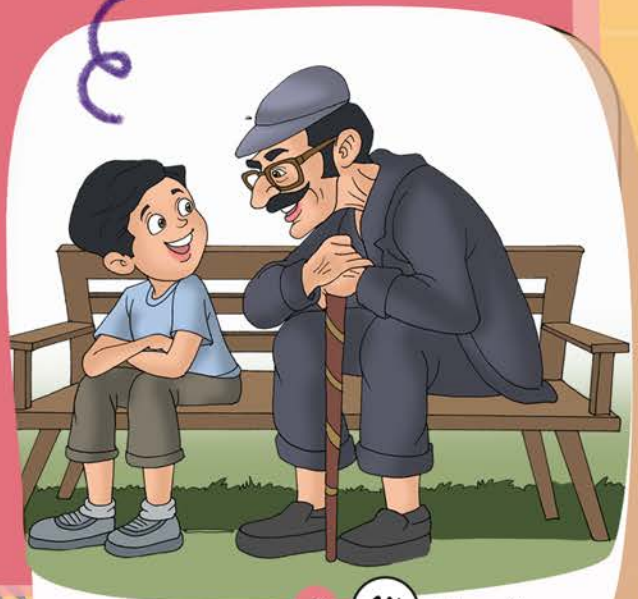

क्रिश अपनी सबसे मनपसंद सैन्डविच रिसेस के समय अपने फ्रेन्ड्स के साथ शेयर करता है।

जब मम्मी ऑफिस से थककर आती हैं तब रिष उनके लिए नींबू का शरबत बनाता है।

क्या आप भी रिष और क्रिश की तरह 'हार्टिली' की ओर एक स्टेप बढ़ाओगे? हमें बताएँ कि आपने हार्टिली की दिशा में आगे बढ़ने के लिए क्या किया। हम आपके जवाब का इंतजार करेंगे।

+91 9313665562

चिली के सिंगिंग कॉम्पिटिशन की सुबह आलू चिली के घर आया है। लेकिन उसे देखकर चिली खुश नही है। वह आलू से कहता है कि 'तुम कोको के घर जाओ!' और फिर बिना किसी कारण के चिली मम्मी से लिपट कर रोता है। अब आगे की बात पार्सली से सुनते हैं...

हम सब साथ में कॉम्पिटिशन की जगह पर पहुँचे। पूरे रास्ते चिली कुछ भी नहीं बोला। वैसे तो वह कॉम्पिटिशन के दिन सॉन्ग्स गाकर सबका सिर दुःखा देता है। आलू भाई जब भी उसके साथ बात करने जाते तो उसे उबासी आ जाती। हम जैसे ही तालाब पर पहुँचे, सामने से कोको आता हुआ दिखाई दिया।

मैंने और आलू भाई ने कोको को बेस्ट ऑफ लक कहा। तभी चिली ने कहा, 'हाँ कोको, बेस्ट ऑफ लक! तुम्हारे घर से कोई आया

नहीं तुम्हारी जीत देखने? शायद उन्हें भी पता होगा कि तुम नहीं जीतोगे!' और फिर उसने आज के दिन की पहली स्माइल दी। लेकिन पता नहीं क्यों, मुझे उसकी स्माइल बिल्कुल पसंद नहीं आई।

यह सुनकर कोको के बजाय आलू भाई लाल हो गए। ऐसे लाल तो आलूभाई सालों पहले तब हुए थे, जब चींटी मौसी ने उनके पैरों में काटा था। इसलिए मैं तुरंत चींटी मौसी को ढूँढ़ने लगा। लेकिन तभी आलू भाई बोले, 'किसने कहा कोको अकेला है? मैं हूँ न उसे चियर करने के लिए। कोको, तुम अच्छा गाना, तुम ज़रूर जीतोगे!'

यह सुनकर चिली की आँखें ऐसे लाल हो गईं मानो आँखों में एक डिब्बा भरकर मिर्ची गिर गई हो।

कोको रोता हुआ वहाँ से जाने लगा। आलू भाई उसके पीछे गए और मैं चिली को बेस्ट ऑफ लक कहने के लिए मुड़ा और उसके पंख से टकरा गया। उसके पंख से मैं बुरी तरह जल गया। मैंने सोचा, क्या चिली को बुखार हो गया है? वह इतना गरम क्यों है? उसने मुझे जोर से धक्का मारा और वहाँ से चला गया।

मैंने मम्मी की ओर देखा। उनका चेहरा ऐसा लग रहा था मानो उन्हें भी चींटी मौसी ने काट लिया हो। फिर मैं आलू भाई के पास गया। वहाँ मैंने आलू भाई को कोको के साथ बात करते हुए सुना।

उनकी बात खत्म होने पर मैंने उनसे पूछा, 'और चिली?' हम दोनों कॉम्पिटिशन से पहले चिली से बात करने गए। लेकिन चिली हमें देखकर इतना गुस्सा हो गया कि उसने कह दिया, 'यहाँ क्यों आए हो? कोको के पास जाओ। और आलू, मैं हमारा फ्रेन्ड्शिप सॉन्ग नहीं गाने वाला हूँ!' आलू भाई उसे कोई जवाब दें उससे पहले ही वह उड़कर चला गया।

चिली की बात सुनकर मेरे पंख झड़ गए। जिस सॉन्ग की तैयारी वह एक महीने से कर रहा था, अब वही गाने के लिए मना कर रहा था।

आलूभाई ने मुझे ज़ोर से दबा दिया और कहा, 'कॉम्पिटिशन में चाहे जो हो, कॉम्पिटिशन के बाद हम थीओ के कैफ़े पर बड़ी पार्टी करेंगे और सब ठीक हो जाएगा।' पार्टी की बात सुनकर मैं खुश हो गया।

स्टेज पर आकर चिली ने जो गाया उसे सुनकर मुझे हँसी आ गई। 'मछली जल का राणी छे, जीवन उसका पाणी छे। हाथ लगाओ बी जाएगी, बाहर काढ़ो गुज़र जाएगी!' मेरे और प्रतियोगिता देखने आए सभी लोगों के पेट में हँस-हँसकर दर्द होने लगा। चिली को खुद को पता नहीं कि उसे हिन्दी नहीं आती। वैसे यदि यह जोक्स कॉम्पिटिशन होता तो चिली जीत जाता!

लेकिन इसका रिज़ल्ट क्या आएगा यह तो अब सबको पता था। सभी को हँसता देखकर चिली ने आलू भाई के सामने देखा। आलू भाई बिल्कुल नहीं हँस रहे थे। फिर भी चिली बहुत गुस्से से उनको देख रहा था। फिर वह रिज़ल्ट की प्रतीक्षा किए बिना ही वहाँ से चला गया।

चिली ने सॉन्ग क्यों बदल डाला?
कॉम्पिटिशन के पहले पार्सली और आलू, चिली को क्या कहने गए थे?

मैजिक ड्राइवर

बस का दरवाजा खुलते ही सबसे पहले रॉन अंदर कूदा। उसने अपनी मनपसंद विन्डो सीट ले ली।

धीरे-धीरे एक के बाद एक सभी मुस्कुराते चेहरों ने बस में प्रवेश किया। सबसे अंत में कोको डोलता हुआ आया और लास्ट सीट पर जाकर बैठ गया।

टूर का पहला स्टेप डिगलिंग म्यूज़ियम है। फिर कल तड़के ही ज़ोरो पर्वत पर जाने के लिए निकलेंगे। लेकिन सबसे पहले हम मेक्ज़ीनॉल्ड में बर्गर्स खाएँगे।

कुछ देर बाद अचानक से बस रुक गई।

ओह नो! बस खराब हो गई? मुझे तो भूख के कारण चक्कर आ रहे हैं। किसी के पास खाने के लिए कुछ है?

रॉन ने धीरे से अपने बैग की चेन खोली और फिर जल्दी से बंद कर दी।

मैं अपना खाना बनी को क्यों दूँ? फिर मुझे भूख लगी तो?

तभी बस चालू हो गई। मेकज़ीनॉल्ड में बनी ने पेट भरकर खाया। फिर सभी डिगलिंग म्यूज़ियम पहुँचे।

म्यूज़ियम के एन्ट्री पर सभी के बैग्स की स्कैनिंग हुई।

दूसरे दिन ज़ोरो पर्वत की तलहटी में,

हम यहाँ समय पर पहुँच गए हैं। ट्राइसिकल की मदद से हम पर्वत की चोटी पर जाएँगे।

ZORO Mountain

Tricycles

ज़ोरो पर्वत पर एक मैजिक है। बारह बजे से पहले जो भी पर्वत की चोटी पर पहुँच जाता है, उसे पर्वत के देवता आकर 'हर जगह जीतने' का आशीर्वाद देते हैं।

सभी खुश होकर चोटी पर पहुँचने को तैयार हो गए।

रॉन ने सबसे अच्छी ट्राइसिकल चुनी और कोको के हिस्से में खराब ट्राइसिकल आई।

कोको, क्या तुम मुझे ऊपर ले जाओगे? मैं ट्राइसिकल नहीं चला पाऊँगा।

श्योर कियान।

कुछ देर बाद,

हें! हम यहाँ हाँफ-हाँफ कर थक गए और यह मोटू हम से आगे कैसे निकल गया? उसकी ट्राइसिकल में मैजिक होगा। हम उसकी ट्राइसिकल ले लें?

रॉन ने कोको को रोका,

कोको, क्या थोड़ी देर के लिए अपनी ट्राइसिकल हमें दोगे, प्लीज़? हम बहुत थक गए हैं और तुम्हारी ट्राइसिकल बहुत फास्ट चलती है।

हाँ-हाँ, रॉन। तुम लोग ले लो।

लेकिन कुछ देर में कोको वापस आगे निकल गया।

कोको और कियान को देवता के आशीर्वाद मिले। रॉन बारह बजे के बाद चोटी पर पहुँचा।

कोको की ट्राइसिकल में मैजिक था न? इसलिए वह जल्दी पहुँच गया!

लेकिन ट्राइसिकल बदलने के बाद भी उसने फास्ट कैसे चलाई?
ट्राइसिकल का मैजिक वास्तव में उसके ड्राइवर के पास होता है। जो दिलवाला होता है उसकी ट्राइसिकल बिना मेहनत के भी फूल स्पीड में चलती है।

ओह!! अब तो कोको हर जगह जीत जाएगा। लेकिन हमारा क्या?
लेकिन जो हमेशा अपने बारे में ही सोचता है, वह मेहनत करके थक जाए फिर भी टाइम पर नहीं पहुँच पाता।
आज भले ही नहीं पहुँच पाए, लेकिन आगे चलकर अगर हार्ट को अपना ड्राइवर बनाओगे तो हर जगह जीत जाओगे।

चलो खेलें...

ढूंढ निकालो कि
नीचे दी हुई चीज़ें
चित्र में कहाँ हैं।

चित्र देखकर बॉक्स में ☑ करो कि हार्टिली है या बुद्धिवाला है।

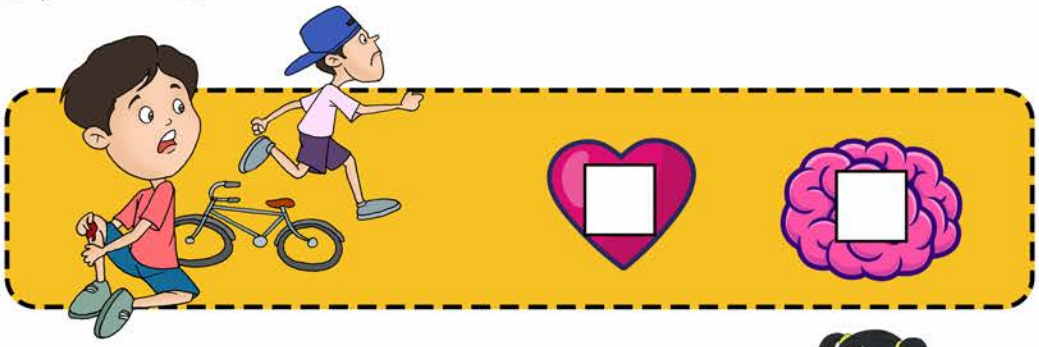

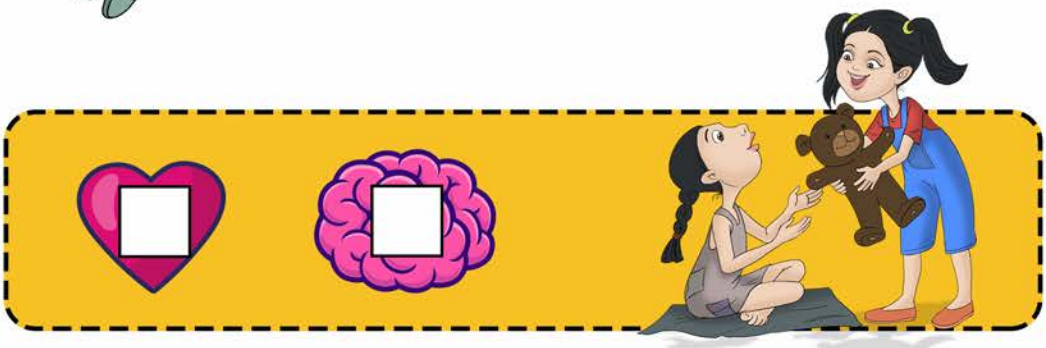

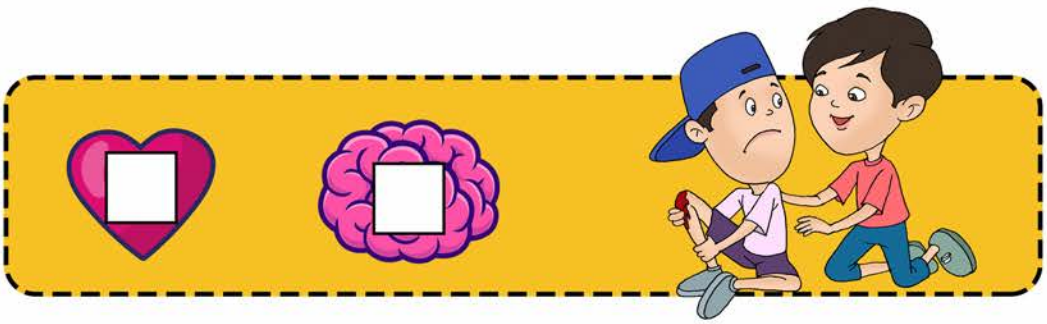

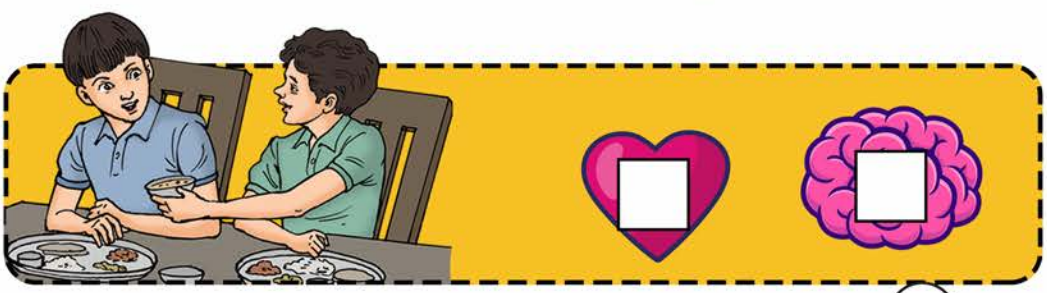

इस वर्ष होली पर डीडीमा जंगल में कुछ ऐसा हुआ कि थीओ ऐन्ड फ्रेन्ड्स ने गुल्लू, टोरो, कुफू और मोमो से बात करना बिल्कुल बंद कर दिया। 'हैप्पी होली' तो दूर रहा, होली के दिन किसी ने एक-दूसरे के सामने देखा तक नहीं।

हुआ यूँ कि मोमो के मामा ने सबके लिए पिचकारी और रंग भेजे। होली के दिन सभी ने साथ मिलकर होली खेलने का प्लान बनाया। लेकिन होली के दिन,

रिज़ो : मोमो, तुम अपनी पिचकारियाँ अपने फ्रेन्ड्स गुल्लू, टोरो और कुफू को ही दे रहे हो। हमें क्यों नहीं देते?

मोमो : मैंने कहाँ ऐसा किया है? तुम्हें तो सबकुछ उल्टा ही दिखाई देता है।

और बस, फिर झगड़ा शुरू हो गया। झगड़ा इतना बढ़ गया कि रिज़ो ने सबके लिए 'गुड़ी पड़वा' त्यौहार के अवसर पर मुंबई जाने का इंतजाम किया, सिवाय मोमो, गुल्लू, टोरो और कुफू के। जंगल में दो ग्रूप्स बन गए।

होली के दिन शाम को ज़ोई ने रिज़ो, थीओ और जिफ्फी के लिए स्वादिष्ट डिनर बनाया। डिनर के बाद सभी को ठंडा-ठंडा केसर-पिस्ता-बादाम वाला मसाला

दूध दिया। और बस, दूध पीने के बाद जिफ्फी की आँखों से आँसुओं की धारा बहने लगी, जो काफी देर तक रुकी ही नहीं।

ज़ोई : क्या हुआ जिफ्फी?

जिफ्फी : दूध पीकर मुझे वह स्टोरी याद आ गई।

रिज़ो : कौनसी!

जिफ्फी : पारसी कम्यूनिटी की स्टोरी। पता है, वे लोग तेरह सौ साल पहले इंडिया आए थे। गुजरात में संजाण नामक एक गाँव है, वे सब वहाँ उतरे। उस समय वहाँ पर जादी राणा नाम के एक राजा राज करते थे। पारसी कम्यूनिटी के लीडर ने कुछ लोगों को राजा के पास भेजा और पूछवाया कि 'राजाजी, क्या आप हमें यहाँ रहने देंगे?'

राजा ने जवाब में लबालब दूध से भरा हुआ एक ग्लास भेजा। यह देखकर लीडर समझ गए कि राजा यह कहना चाहते हैं कि

यहाँ जनसंख्या अधिक है इसलिए नए लोगों को नहीं बसा नहीं सकते।

लीडर बहुत समझदार थे। उन्होंने उसी ग्लास में थोड़ी-थोड़ी करके मिसरी डाली। मिसरी दूध में घुल गई। वह ग्लास लेकर पारसी फिर से राजा के पास गए। राजा चतुर थे। उन्होंने दूध चखकर देखा। मीठा लगा। राजा समझ गए कि पारसी यह कहना चाहते हैं कि 'हम दूध में मिसरी की तरह समा जाएँगे।' राजा खुश हो गए और पारसी कम्यूनिटी को रहने की इजाजत दे दी। उसके बाद पारसी लोग हमेशा सबके साथ शांति और प्रेम से रहने लगे।

जिफ्फी ने रोते हुए कहा, 'पारसी कितने प्रेम से रहे और हम...'

रिज़ो : मुझे मोमो के साथ झगड़ा नहीं करना चाहिए था। होली खेलने में उनके साथ जॉइन हो जाना चाहिए था।

ज़ोई : हाँ, मैंने आज डिनर के लिए उन्हें इन्वाइट भी नहीं किया।

जिफ्फी : उन्हें जॉइन करने का एक चान्स अभी भी हमारे पास है।

रिज़ो : यस, गुड़ी पड़वा का त्यौहार मनाने हम सब साथ ही मुंबई जाएँगे। मैं सभी की व्यवस्था कर देता हूँ।

Summer Camp

बालकों के लिए संस्कार सिंचन शिविर - वर्ष २०२५

	4 to 7 Yrs.		8 to 12 Yrs.	
Center	Date	Contact No.	Date	Contact No.
Sim city	13 April	9313665562	20 April	9313665562
Ahmedabad	30-March 19-April	8160628473	23 March 20, 21 April	9925094049
Amreli	-	-	27 April	9408898792
Baroda	20 April	9712981515	8 June	9998008435
Bharuch	-	-	27 April	8320710688
Bhavnagar	6 April	9409467181	18 May	9558860259
Bhuj	20 April	8461739612	27 April	9408246480
Dhoraji	-	-	20 April	9574046082
Gandhidham	-	-	20 April	9428310787
Jamnagar	20 April	9723147318	27 April	9723147318
Junagath	-	-	18 May	7984313397
Mehsana	18 April	8469264605	27 April	9427650382
Morbi	18 April	9725199144	27 April	9978633035
Mumbai	Borivali - 12 April Mulund - 12 April Ghatkopar- 13 April	8652890066	12, 13 April	9820161710
Rajkot	20 April	8849043362	18 May	7779023726
Surat	30, 31 March	9825233559	20 April	9574008498
Vijapur	-	-	4 May	8141461682
Veraval	31 March	8980483683	16 May	9712191887

૧ સમર કૈમ્પ માં હિસ્સા લેને કે લિએ આપકે નજ़દીક કે સેન્ટર મેં રજિસ્ટ્રેશન કરવાના આવશ્યક હૈ। રજિસ્ટ્રેશન ચાર્જ નૉનરિફંડેબલ હૈ।

૨. બાલક કી ઉમ્ર ઔર કક્ષા કે આધાર પર કિએ ગએ વર્ગીકરણ કે અનુસાર જો તારિખ તય કી ગઈ હૈ ઉસ અનુસાર રજિસ્ટ્રેશન કિયા જાએગા। જિસ કૈમ્પ કે લિએ રજિસ્ટ્રેશન કરવાના હૈ ઉસ કૈમ્પ કી તારીખ કે ૫ દિન પહલે રજિસ્ટ્રેશન બંદ કર દિયા જાએગા। ઉસકે બાદ રજિસ્ટ્રેશન કરવાને કે લિએ તત્કાલ ચાર્જ લિયા જાએગા।

૩. સીમંધર સિટી સમર કૈમ્પ કે લિએ રજિસ્ટ્રેશન ત્રિમંદિર સંકુલ કે 'સ્ટોર ઑફ હૈપીનેસ' મેં શામ ૫:૦૦ સે ૬:૩૦ બજે કે સ્વયં આકર જિસ કૈમ્પ કે લિએ રજિસ્ટ્રેશન કરવાના હૈ ઉસકે પાઁચ દિન પહલે તક હો પાએગા। યહ રેજિસ્ટ્રેશન ૨૨ માર્ચ સે શુરૂ કિયા જાએગા। સંપર્ક સૂત્ર : ૯૩૧૩૬૬૫૫૬૨